



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 258] नई दिल्ली मंगलवार जून 9, 1992/ज्येष्ठ 19, 1914  
No. 258] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 9, 1992/JYAISTHA 19, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

सं. 214/92—सीमाशुल्क

मा. का. नि. 586(प्र)—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की  
धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि  
लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 83/90—  
सीमा-शुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, :—

(i) “अब उस न विद्युत आर्क भट्टी या प्रेरण भट्टी में प्रयोग के लिए भारत में आयात किया जाता है” शब्दों के स्थान पर “जब उसका विद्युत आर्क भट्टी या प्रेरण भट्टी में उपयोग के लिए अथवा विद्युत आर्क भट्टी या प्रेरण भट्टी में उपयोग के लिए किसी यूनिट को प्रदाय करने के लिए भारत में आयात किया जाता है” शब्द रखे जाएंगे ; और

(ii) परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह तब जब कि, —

(क) आयातकर्ता ऐसे प्रारूप में और उतनी राशि का जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, उक्त स्क्रैप की ऐसी मात्रा के बारे में यह साबित नहीं किया जाता है कि उसका प्रयोग विद्युत आर्क भट्टी या प्रेरण-भट्टी में उपयोग किया गया है, मांगे जाने पर ऐसे माल पर, यदि इस में अन्तर्विष्ट छूट न दी गई होती तो ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के बीच के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करने का बचन बंध करते हुए, एक बंधपत्र निष्पादित करता है ; और

(ख) आयातकर्ता सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को छह मास की अवधि के भीतर या ऐसी अवधि के भीतर जो उक्त सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करें, लोहे और इस्पात के उक्त गलन स्क्रैप पर अधिकांशित रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा जारी किया गया ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि उक्त गलन स्क्रैप का विद्युत आर्क भट्टी या प्रेरण भट्टी में उपयोग किया गया है।”

[फा. सं. 346/39/92—टी आर यू]

पी के. जैन, अव्वर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

NO. 214/92-CUSTOMS

New Delhi, the 9th June, 1992

G.S.R. 586(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 83/90-Customs, dated the 20th March, 1990, namely :—

In the said notification.—

(i) for the words “when imported into India for use in electric arc furnace or induction furnace” the words “when imported into India for use

in electric arc furnace or induction furnace or for supply to a unit for use in electric arc furnace or induction furnace" shall be substituted; and

(ii) for the proviso, the following shall be substituted, namely :—

“Provided that:

- (a) the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, undertaking to pay, on demand, in respect of such quantity of the said scrap as is not proved to have been used in electric arc furnace or induction furnace, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation; and
- (b) the importer produces to the Assistant Collector of Customs, within six months or such extended period, as the said Assistant Collector of Customs may allow, a certificate issued by the Assistant Collector of Central Excise in whose jurisdiction the said melting scrap of iron and steel has been used in electric arc furnace or induction furnace, that the said melting scrap has been so used.”

[F.No.346/39/92-TRU]

P. K. JAIN, Under Secy.

